साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 113 | जौनपुर, गुरूवार, 12 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बलिया में तालाब में डूबने से बच्चे की मौत

बलिया,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मिश्रौली गांव में बुधवारदोपहर एक आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ाई करने आए पांच वर्षीय बच्चे की केंद्र के पास स्थित तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार अंशुमान गुप्ता बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने आया और एक घंटे बाद साढ़े दस बजे बच्चों के साथ केंद्र के पीछे स्थित एक तालाब पर गया और डूब गया। बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंचे, जिसके बाद आनन–फानन में बच्चे को सियर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया कि आरोप है कि शिक्षकों की लापरवाही से यह घटना हुई है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

अमेठी,(एजेंसी)। अमेठी जिले के रामगंज क्षेत्र में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात रामगंज थाना क्षेत्र के अग्रेसर गांव में ग्रामीणों ने गरीब परिवार के लोगों को धन का लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराने की शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी।

उन्होंने बताया कि अग्रेसर निवासी गोविन्द ने पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाले ओम प्रकाश के घर पर अमेठी कोतवाली के बनबीरपुर निवासी रामलाल कोरी और संग्रामपुर थाना क्षेत्र के टीकरमाफी निवासी संदीप कोरी ईसाई धर्म की प्रार्थना कराने आते हैं जिसमें वह भी कई बार शामिल हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि गोविन्द का आरोप है कि ग्रामीणों को धन और सुविधा का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा जाता है।

चौथी मंजिल से कूदकर युवक ने की आत्महत्या

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिले के थाना सेक्टर 39 क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाले मिजोरम के एक व्यक्ति ने चौथी मंजिल से कथित तौर पर कूद कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मिजोरम के मारकल जोनी चकमा (34) सलारपुर कॉलोनी में रहते थे, उन्होंने मानसिक तनाव के कारण मंगलवार को अपने घर की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। सिंह ने बताया कि अत्यंत गंभीर हालत में उन्हें उपचार के लिए नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान आज सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एक सरकार ने किसानों पर गोलियां चलवाई...

हमारी सकारात्मक सोच ने बस्ती को चीनी मिल दिया : सीएम योगी

गोरखपुर,(संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ बस्ती में कर्मादेवी पीजी कॉलेज के 150वें स्थापना दिवस के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जिन बातों से पहले हम भागते थे, हमारी सरकारें भागती थीं, उसका परिणाम अनिर्णय की स्थिति होती थी। स्कूल–कॉलेज नहीं खुल पाते थे। मार्डन स्कूल खुलने जैसे जो निर्णय 50 वर्ष पहले होना चाहिए था उसे सरकारों ने बैरियर बनाने का काम किया। अगर उस समय यह स्कूल कॉलेज खुले होते तो आज विकास की मई मंजिल पर पहुंचे होते। जिनके पास संसाधन था वे आगे निकल गए। नर्सिंग, फर्मेसी का

क्षेत्र इतना विस्तृत है कि कोई भी बेरोजगार नहीं रहा। जिन दवाओं को दुनिया भर में घूमते थे,उसे यहां की फार्मेसी ने अपने यहां बना लिया। बुंदेलखंड में पांच हजार वर्ग फिट में फार्मेसी पार्क बनाया जा रहा है। योग्यता को महत्व दिया, तकनीकी को अपनाया है। कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प उठाया है। एक ऐसा भारत चाहिए जो स्वावलंबी व आत्मनिर्भर हो। तब भारत विकसित होगा। आज आप दुनिया के अंदर भारत के बिना कोई ध्रुवीकरण नहीं हो रहा। भारत ने 1947 से 2014 तक अपनी आर्थिक वृद्ध को ऊपर–नीचे करते हुए आगे– पीछे किया। लेकिन, 2014 के बाद भारत दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बना है। आज हर व्यक्ति के मन में नई आशा है। आज दुनिया इस महत्व को समझ रही है। दुनिया की सौ प्रतिष्ठित कंपनियां हैं उसमें सबसे ज्यादा सीईओ भारत के हैं। आज के समय में तकनीकि से पीछे नहीं भाग सकते। तकनीकी बहुत आगे बढ़ चुकी है। उसके नैतिक मूल्यों को हमें साथ–साथ लेकर चलना होगा। वरना समान के बीच उत्थान व पतन के बीच जूझेगी।

सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने पर उच्च सदन की कार्यवाही स्थगित : नड्डा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के 12वें दिन भी राज्यसभा में हंगामा देखने को मिला। सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने के प्रस्ताव संबंधी नोटिस पर राज्यसभा में हंगामे के कारण बुधवार को उच्च सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इन सबके बीच नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष पर सोरोस मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। जेपी नड्डा ने कहा कि जिस तरह का आरोप कांग्रेस पार्टी ने चेयर पर लगाया है, वह भर्त्सना योग्य है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे सदस्य (सांसद) सोनिया गांधी और सोरोस के बीच संबंध का मुद्दा उठाते रहे हैं। यह देश की संप्रभुता का सवाल है। उन्होंने कहा कि सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना देश की

संप्रभुता के मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने की साजिश है। इसकी सभी को निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कभी भी अध्यक्ष का सम्मान नहीं किया। राज्यसभा में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सोरोस और कांग्रेस के बीच क्या संबंध है? इसका खुलासा होना चाहिए। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। अविश्वास प्रस्ताव पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन और बीजेपी के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि संवैधानिक प्रश्न तो उठेगा क्योंकि वह सिर्फ राज्यसभा के सभापति ही नहीं बल्कि देश के उपराष्ट्रपति भी हैं। वह अपने पद की वजह से राज्यसभा के अध्यक्ष हैं। हम देखेंगे कि विपक्ष द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव का क्या होता है। उन्होंने आगे कहा कि उनका एकमात्र इरादा संसद का समय बर्बाद करना है।

समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को दिया झटका

नई दिल्ली,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी न तो भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ उठाए गए सोरोस मुद्दे के साथ है और न ही कांग्रेस द्वारा उठाए गए अडानी मुद्दा के साथ है। उन्होंने कहा कि सदन चलना चाहिए। डिंपल यादव ने संवाददाताओं से कहा कि सदन चल रहा है। यह आज चालू था और हमें उम्मीद है कि यह चलता रहेगा। हम न तो सोरोस मुद्दे के साथ हैं और न ही अदानी मुद्दे के साथ। हमारा मानना घ्है कि सदन चलना चाहिए। सपा सांसद ने कहा कि हमें उम्मीद है कि दोनों पक्षों के लोग सदन की कार्यवाही के प्रति समर्पण दिखाएंगे। शुक्रवार और शनिवार को संविधान पर चर्चा होगी। समाजवादी पार्टी चाहती है कि सदन चले। इससे पहले दिन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि सदन चले और सहमति के मुताबिक 13 दिसंबर को संविधान पर बहस हो। राहुल ने कहा कि मैंने स्पीकर के साथ बैठक की। मैंने उनसे कहा कि मेरे खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां हटा दी जानी चाहिए। स्पीकर ने कहा कि वह इस पर गौर करेंगे। हमारा उद्देश्य है कि सदन चले और सदन में चर्चा हो। वे मेरे बारे में कुछ भी कहें, हम चाहते हैं कि 13 दिसंबर को बहस हो। उन्होंने कहा कि बीजेपी उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे आरोपों पर चर्चा नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि वे अडानी पर चर्चा नहीं चाहते। अंत में, हम इसे नहीं छोड़ेंगे। वे हम पर आरोप लगाते रहेंगे लेकिन सदन चलना चाहिए। इससे पहले सदन में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने मणिपुर की स्थिति का मुद्दा उठाया, उन्होंने कहा कि लोग पीड़ित हैं, बुनियादी सेवाएं चरमराने के कगार पर हैं, आम लोगों पर इसका प्रभाव विनाशकारी है। गोगोई ने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कब मणिपुर का दौरा करेंगे और गृह मंत्री अमित शाह स्थिति से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों से सदन को अवगत कराएंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार की विफलता को छिपाने के लिए जॉर्ज सोरोस का मुद्दा उठा रही है।

सदस्यों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के मामले को खारिज करने से किया इनकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पतियों और ससुराल वालों को स्वार्थ के लिए परेशान करने के लिए क्रूरता कानून के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज करते हुए की, जिसमें एक महिला द्वारा अपने पति, उसके माता–पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ दर्ज दहेज उत्पीड़न के मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को उनके ससुराल वालों की क्रूरता से बचाने वाले कानूनों के श्दुरुपयोग की बढ़ती प्रवृत्तिश को चिह्नित किया और कहा कि अदालतों को निर्दोष लोगों के अनावश्यक उत्पीड़न को रोकने के लिए दहेज उत्पीड़न के मामलों का फैसला करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। आत्महत्या से ठीक पहले, अतुल सुभाष ने 80 मिनट का एक वीडियो रिकॉर्ड किया था जिसमें उन्होंने अपनी अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार पर पैसे ऐंठने के लिए उन पर और उनके परिवार पर कई मामले दर्ज करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा अतुल ने अपने 24 पेज के सुसाइड नोट में न्याय व्यवस्था की भी आलोचना की है। एक मामले (दारा लक्ष्मी नारायण और अन्य बनाम तेलंगाना राज्य और अन्य) की सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए, जो विवाहित महिलाओं के खिलाफ पतियों और उनके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता को दंडित करती है, का दुरुपयोग किया जा रहा है। मामले की सुनवाई करते हुए, जस्टिस बीवी नागरत्ना और एन कोटिस्वर सिंह की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि कभी–कभी प्रावधान, जिसका उद्देश्य मूल रूप से महिलाओं को घरेलू हिंसा और उत्पीड़न से बचाना था, का कुछ महिलाओं द्वारा अपने पति और उसके परिवार को अनुपालन करने के लिए मजबूर करने के लिए शोषण किया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने पत्नी द्वारा अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दायर क्रूरता और दहेज के मामलों को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। यह याचिका पति और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा दायर की गई थी, जिसमें मामले को खारिज करने से तेलंगाना उच्च न्यायालय के इनकार को चुनौती दी गई थी। पति द्वारा तलाक मांगे जाने के बाद पत्नी ने मामला दर्ज कराया था।

प्रमोशन के लिए बन गए सरकार के प्रवक्ता देश की गरिमा को पहुंचाई गई ठेस : खड़गे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने बुधवार को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के अपने कदम का बचाव किया और कहा कि उन्हें लोकतंत्र को बचाने के लिए कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि सभापति राज्यसभा के सबसे बड़े विघटनकर्ता हैं और उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने जगदीप धनखड़ को श्सरकारी प्रवक्ताश कहा। खड़गे ने बुधवार दोपहर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि धनखड़ के कार्यों ने भारत की गरिमा को ठेस पहुंचाई है

और राज्यसभा सभापति के खिलाफ कोई व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के नोटिस के बारे में बोलते हुए खड़गे ने जगदीप धनखड़ की भी आलोचना की और उन्हें सबसे बड़े सरकारी प्रवक्ता के रूप में संदर्भित किया और कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण स्वयं सभापति हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इंडिया ब्लॉक ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने की मांग को लेकर राज्यसभा में एक प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस प्रस्तुत किया है। विपक्ष के कदम पर बात करते हुए खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि 1952 के बाद से किसी उपराष्ट्रपति को हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं लाया गया है, क्योंकि इस पद पर रहने वाले लोग निष्पक्ष और राजनीति से परे थे और सदन को हमेशा नियमों के अनुसार चलाते थे। खड़गे ने कहा कि सदन में लंबा अनुभव रखने वाले कई नेता हैं। सदन में जो सदस्य हैं, वे डॉक्टर, प्रोफेसर, पत्रकार समेत अनेक पेशे से जुड़े रहे हैं और कई सदस्य मंत्री भी रह चुके हैं। सभापति सदन में हेडमास्टर की तरह सदस्यों की स्कूलिंग करते हैं। उनको प्रवचन सुनाते हैं। यदि विपक्ष के सांसद सदन में 5 मिनट बोलते हैं, तो 10 मिनट खुद सभापति बोलते हैं।

हम चाहते है सदन चले और चर्चा हो : राहुल गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि मैंने स्पीकर के साथ बैठक की। मैंने उनसे कहा कि मेरे खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां हटा दी जानी चाहिए। स्पीकर ने कहा कि वह इस पर गौर करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य है कि सदन चले और सदन में चर्चा हो। वे मेरे बारे में कुछ भी कहें, हम चाहते हैं कि 13 दिसंबर को बहस हो। वे अडानी पर चर्चा नहीं चाहते।श अंततरू हम इसे नहीं छोड़ेंगे। वे हम पर आरोप लगाते रहेंगे लेकिन सदन चलना चाहिए। कांग्रेस ने बुधवार को लोकसभा में सरकार पर मणिपुर के हालात को छिपाने के लिए अमेरिकी कारोबारी जॉर्ज सोरोस को ढाल की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिसके जवाब में सरकार ने कांग्रेस पर सोरोस के साथ मिलीभगत करके देश को अस्थिर करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए उसे देश की आंतरिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के आरोप–प्रत्यारोप और शोर–शराबे के कारण निचले सदन की कार्यवाही डेढ़ घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की ओर से राज्यसभा के सभापति को पद से हटाने के प्रस्ताव संबंधी नोटिस दिए जाने के अगले दिन, बुधवार को सत्ता पक्ष ने जगदीप धनखड़ का जोरदार बचाव किया तथा दावा किया कि जार्ज सोरोस और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के कथित संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी दलों ने आसन पर आक्षेप लगाया है। इन्हीं मुद्दों पर राज्यसभा में जोरदार हंगामा हुआ और एक बार के स्थगन के बाद कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

'बीजेपी को ऑक्सीजन प्रदान की गई' बंगाल कांग्रेस ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विपक्ष को परेशान करने का काम सौंपा है। यह आरोप किसी और ने नहीं बल्कि बंगाल कांग्रेस ने गठबंधन का नेतृत्व करने को लेकर इंडिया गुट में खींचतान के बीच दावा किया है। बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने सोशल मीडिया पर बनर्जी की नेतृत्व क्षमताओं पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह भाजपा के साथ मिली हुई हैं। शुभंकर सरकार ने लिखा कि हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा व्यक्त की। कोई भी गठबंधन सहयोगी इंडिया गठबंधन का दावा कर सकता है और उसका नेतृत्व करना चाहता है। हालाँकि, ममता बनर्जी जी की कार्रवाई ने कई मौकों पर भाजपा को ऑक्सीजन प्रदान की है और जब भाजपा संकट में है तो संयुक्त विपक्षी मोर्चे को पटरी से उतार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 300 पार के सपने को रोक दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि टीएमसी को हर पांच साल में केवल विधानसभा और लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा का सामना करना पड़ता है, हालांकि, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हर बूथ, ब्लॉक, जिले, राज्य और हर निर्वाचन क्षेत्र में हर रोज भाजपा और उनके प्रचार का मुकाबला करती है। उन्होंने कहा कि चुनावों के बावजूद, भाजपा के खिलाफ हमारी लड़ाई वैचारिक है क्योंकि उनकी राजनीति भारत के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी विचारों के प्रतिकूल है। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हर क्षेत्र और मंच पर बिना किसी समझौते के भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कभी चुप रहना नहीं चुना। जबकि, टीएमसी देश से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्ट रूप से चुप रही है। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि पार्टी पूरे दमखम के साथ ब्लॉक का नेतृत्व करने की बनर्जी की कोशिश का विरोध करेगी, यही कारण है कि कांग्रेस – जो अब तक अपने पूर्ववर्ती अधीर रंजन चौधरी के विपरीत टीएमसी के साथ गैर–टकराव की स्थिति के लिए जानी जाती है – ने अब आक्रामक रुख अपनाया है।

भारत की 15 हजार किमी रेलवे ट्रैक पर होगा सुरक्षा कवच

नई दिल्ली,(एजेंसी)। सुरक्षित और अधिक कुशल ट्रेन यात्राओं की तलाश में, भारतीय रेलवे ने एक अत्याधुनिक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली कवच घ्का अनावरण किया है जो स्वदेशी तकनीक में एक सफलता का प्रतिनिधित्व करता है। कवच को ट्रेन संचालन के लिए उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करते हुए सुरक्षा की एक मजबूत परत प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रतिष्ठित सेफ्टी इंटीग्रिटी लेवल 4 (एसआईएल–4) से प्रमाणित, कवच इसकी असाधारण विश्वसनीयता का प्रमाण है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया कि 10 हजार लोकोमोटिव और 15 हजार किमी रेलवे ट्रैक पर कवच का काम चालू हो चुका है। बहुत विनम्रता से कह रहा हूं कि विकसित देशों ने जो काम 20 साल में किया, उतना काम भारत ने 5 साल में किया है। उन्होंने बताया कि कवच लगने से 10 ाउ दूर का सिग्नल ड्राइवर को केबिन में मिल जाएगा। बाहर कुहासा हो, तो भी कवच से सिग्नल मिलेगा। ओवर स्पीड होने पर कवच ऑटोमैटिक ब्रेक लगा देगा। आप विश्वास नहीं करेंगे कि ट्रायल के दौरान लोको पायलट के चेहरे पर कितनी खुशी थी। स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) एक ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है जिसे यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है कि ट्रेन की गति सिग्नलिंग प्रणाली द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर बनी रहे। यह लगातार ट्रेन की गति की निगरानी करता है और स्वचालित रूप से अनुमत गति प्रतिबंधों के अनुपालन को लागू करता है। यदि ट्रेन अनुमत गति से अधिक हो जाती है या विशिष्ट सिग्नल पहलुओं पर प्रतिक्रिया देने में विफल रहती है, तो एटीपी ट्रेन को रोकने के लिए तुरंत आपातकालीन ब्रेक सक्रिय कर देता है। भारत के विशाल और जटिल रेल नेटवर्क को चलाने वाले ट्रेन ड्राइवरों के लिए, कवच एक सतर्क अभिभावक के रूप में कार्य करता है। यह ट्रेन की गति और मानव गतिविधि में देरी या चूक होने पर कदमों की निगरानी करता है। यदि लोको पायलट महत्वपूर्ण क्षणों में प्रतिक्रिया देने में विफल रहता है, तो कवच स्वचालित रूप से ब्रेक लगा देता है, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। लेकिन कवच सिर्फ एक सुरक्षा तंत्र से कहीं अधिक है। इसे भारत के विविध और अप्रत्याशित मौसम की चुनौतियों से निपटने के लिए बनाया गया है। चाहे घना कोहरा हो, भारी मानसून हो, या बढ़ता तापमान हो, कवच एक महत्वपूर्ण सुरक्षा जाल प्रदान करते हुए ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करता है। यह स्थानीय विशेषज्ञता के साथ अत्याधुनिक तकनीक का मिश्रण है। फरवरी 2016 में शुरू हुए फील्ड ट्रायल और एक स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनकर्ता (आईएसए) द्वारा किए गए स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन से मिली बहुमूल्य प्रतिक्रिया के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018 और 2019 के बीच तीन फर्मों को मंजूरी दी गई थी। भारतीय रेलवे पर इसकी विश्वसनीयता और कार्यक्षमता में सुधार के लिए परीक्षण और मूल्यांकन के माध्यम से इस संस्करण को परिष्कृत किया गया था। जुलाई 2020 में, काफी क्षेत्रीय परीक्षणों और सफल मूल्यांकन के बाद, कवच प्रणाली को आधिकारिक तौर पर भारतीय रेलवे द्वारा राष्ट्रीय स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली के रूप में अपनाया गया था। यह पूरे नेटवर्क में रेलवे सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 16 जुलाई 2024 को अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित कवच संस्करण 4.0 की शुरुआत के साथ प्रणाली महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुई। इस संस्करण में पिछली तैनाती और वास्तविक दुनिया की परिचालन चुनौतियों से मिले फीडबैक के आधार पर कई सुधार शामिल किए गए।

संपादकीय

भारतीय खाने का स्वाद

यह मौजूदा वक्त की विडंबना है कि आय बढ़ने के साथ लोगों ने घर में बने खाने की बजाय डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाने को तरजीह देना शुरू कर दिया है। सूचना माध्यमों के जरिये तुरत–फुरत के खाने के विज्ञापनों का इतने आक्रामक ढंग से प्रचार किया जाता है कि बच्चे क्या, बड़े भी डिब्बाबंद खाने के मुरीद होने लगते हैं। यह जानते हुए कि यह उनकी सेहत पर भारी है। जब घर के बड़े–बुजुर्ग इससे बचाव की सलाह देते हैं तो वे इसे पुरातनपंथी सोच करार दे देते हैं। लेकिन डिब्बाबंद खाने की मुहिम चलाने वाले पश्चिमी देशों को भी अब अहसास हो चला है कि डिब्बाबंद खाने से समय से पहले बुढ़ापा दस्तक देने लगता है। खानपान की पश्चिमी संस्कृति के वाहक इटली में हुए एक शोध ने विकसित देशों को भी नींद से जगाया है। दरअसल, इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के एक हालिया शोध ने फिक्र बढ़ाने वाला निष्कर्ष दिया है कि डिब्बाबंद भोजन के जरूरत से ज्यादा सेवन से व्यक्ति का शरीर समय से पहले बूढ़ा हो जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इसके सेवन से हमारे शरीर की कोशिकाएं और ऊतक समय से पहले वृद्ध होने लगते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करता है तो बुढ़ापा जल्दी आएगा। इस शोध में करीब साढ़े बाइस हजार लोगों को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड व प्रसंस्कृत भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जैविक उम्र अधिक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि हमारे खाने में शामिल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के मुक्त कण अन्य स्वस्थ अणुओं के विरुद्ध प्रतिक्रिया देते हैं। चिंता की बात यह है कि ये न केवल डीएनए व आरएनए बल्कि प्रोटीन को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे समय से पहले ही शरीर की कोशिकाएं मरने लगती हैं। अंततरू शरीर समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि रासायनिक पदार्थों द्वारा संरक्षित डिब्बाबंद खाना हमारे शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं कालांतर व्यक्ति मोटापा, हृदय रोग, दूसरी श्रेणी के मधुमेह व गठिया जैसे रोगों का भी शिकार हो सकता है। दरअसल, खाद्य पदार्थों का बाजार चलाने वाली कंपनियों की कोशिश होती है कि खाने को देर तक संरक्षित किया जाए। खाद्यान्न को प्रसंस्कृत करने के लिये सुरक्षित रखने वाले रासायनिक पदार्थों व सोडियम का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में चीनी तथा शरीर के लिये नुकसानदायक रसायन, वसा व कार्बोहाइड्रेट भी खाने को देर तक चलने लायक बनाने के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं। जो आखिरकार हमारी सेहत से खिलवाड़ ही करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अधिक मात्रा में स्टार्च का भी प्रयोग करती हैं। ये कालांतर शरीर में शूगर बढ़ने से मधुमेह का खतरा पैदा कर सकती हैं। अधिक तेल भी सेहत के लिये घातक होता है। सेहत वैज्ञानिक लंबे अरसे से कहते रहे हैं कि डिब्बाबंद खाना व जंकफूड शरीर में मोटापा बढ़ाता है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालांतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हाल के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तरजीह दे रही है। जो कालांतर गैर संक्रामक रोगों को ही बढ़ावा देता है। विडंबना यह कि मां–बाप के मना करने के बावजूद नई पीढ़ी के किशोर व बच्चे डिब्बाबंद खाने और फास्ट फूड को अपना मुख्य भोजन बना रहे हैं। यही वजह है कि बड़ी उम्र में होने वाले लाइफस्टाइल के रोग अब बच्चों व किशोरों में भी होने लगे हैं। निश्चित ही इटली में हुआ शोध हमारी आंख खोलने वाला होना चाहिए। लोगों को डिब्बाबंद भोजन से परहेज करने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

भूलना इंसानी फितरत

मनोज

भूलने लगा हूं। कुछ भी। कैसे भी। हालांकि, अभी यह बीमारी नहीं बनी है फिर भी आदत तो बन ही गई है। आदत मेरे लिए परेशानी का सबब कम दूसरों के लिए ज्यादा हो गई है। कोशिश तो करता हूं, भूली चीज को याद करने की मगर हो नहीं पाता। एकाध दफा ऐसा भी हुआ है कि दफ्तर को निकलते वक्त उसका ठिकाना ही भूल गया। लोगों से सही पता पूछना पड़ा। फाइल्स रखकर भूल जाता हूं। बॉस के साथ मीटिंग का समय भूल जाता हूं। लंच किया या नहीं प्रायः यह तक भूल जाता हूं। दफ्तर से निकलकर घर जाना भी भूल जाता हूं। सब्जी मंडी में सब्जी वाले को रुपये देना या लेना भी भूल जाता हूं। पिछले हफ्ते तो सब्जी से भरा थैला ही कहीं रखकर भूल आया। भूलना इंसानी फितरत है। यह न हो तो डॉक्टर्स के कितने क्लीनिक बंद हो जाएं। इस पर दिया जाने वाला ज्ञान गर्त में चला जाए। सबको सब कुछ याद रहना भी ठीक नहीं। इसके अपने खतरे हैं। खतरे क्या हैं, इस पर आप सोचिए। बीवी को मेरे भूलने की आदत पता है, मगर इसको लेकर हमारे बीच कभी विवाद इसलिए नहीं होता क्योंकि भूलने में वो मुझसे कहीं अधिक परफेक्ट है। मियां–बीवी के बीच ऐसी समानता हालांकि बहुत कम सुनने में आती है पर हमारे बीच है। अच्छा ही है, नहीं तो इस मसले पर झगड़े तलाक तक पहुंच जाते। भूलने का जिक्र जब छिड़ता है, उमर शरीफ याद हो आते हैं। साथ याद हो आता है, 'बकरा किस्तों पे' में उनका प्रोफेसर निजामी का किरदार। एक प्रोफेसर जिसे भूलने की बीमारी थी। जो अक्सर ही पड़ोसी के घर को अपना घर समझकर घुस जाया करता था। फिर वहां से भगाया, दुत्कार जाया करता था। भूलने की बीमारी पर प्रोफेसर की बीवी उससे झगड़ बैठती थी। वही भुलक्कड़ प्रोफेसर जब संजीदा होकर दुनिया–समाज को आईना दिखाता था, तब दिल भर आता था। उस भूलने का क्या कीजिएगा, जिसे हम जानकर भुलाने में लगे हैं। आपसी रिश्ते भुला दिए। मिलना–जुलना भुला दिया। अपने गांव, अपने शहर, अपने इलाके को भुला दिया। विदेश में बसकर मां–बाप तक को भुला दिया। अब तो लोग किताबें पढ़ना भी भुला चुके हैं। सोचता हूं, भूलने की आदत में थोड़ा सुधार करूं। चीजें याद रखा करूं। अभी उम्र ही क्या है। इस तरह भूलता रहा तो एक दिन कहीं खुद को ही न भूल जाऊं कि मैं क्या हूं, कौन हूं? साथ, यह भी सोचता हूं, अगर मुझ जैसे भूलने वाले दुनिया–समाज में कम हो जाएंगे तो बेहतर यादघ्दाश्त वालों का क्या होगा? उनके दिमाग पर तो भयंकर संकट आन खड़ा होगा। सबको जब सब याद रहेगा तो समाज–परिवार में झगड़े–टंटे कितना होंगेय कभी विचार कीजिएगा इस पर। इसीलिए मेरा थोड़ा–बहुत भुलक्कड़ बना रहना ही ठीक है। भुलक्कड़ हूं तो सेफ हूं।

'आयुष्मान' पर केंद्र व दिल्ली सरकार में घमासान

ज्ञानेन्द्र

आयुष्मान योजना को लेकर केन्द्र और दिल्ली की आप सरकार के बीच विवाद स्पष्ट रूप से दिखता है। हालांकि यह विवाद मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा है, परन्तु यह केवल इस योजना तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार के बीच पिछले एक दशक में कई अन्य जनहितकारी योजनाओं पर भी मतभेद सामने आए हैं। दोनों सरकारों के बीच यह टकराव राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से बढ़ता ही जा रहा है, जिससे जनता को योजनाओं का लाभ उठाने में कई बार असमंजस का सामना करना पड़ता है। आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप है कि वह आयुष्मान योजना को लागू नहीं कर रही, जिससे दिल्ली के लोग स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा सांसदों द्वारा दायर जनहित याचिका पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार की कड़ी आलोचना की। कैसी विडम्बना है कि सरकार जन कल्याण के हित को नजरंदाज कर राजनीतिक विचारधाराओं के टकराव का रास्ता अख्तियार कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने खुद विधानसभा में घोषणा की थी कि वे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री आरोग्य योजना को खुद लागू करेंगे। लेकिन आज तक उसे लागू नहीं किया गया। इसके पीछे आप की राजनीतिक जिद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर 6.5 लाख से अधिक पात्र परिवारों और 70 वर्ष से ऊपर के नागरिकों को केंद्र की आयुष्मान योजना से वंचित कर रही है। इसके विपरीत, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि उनकी सरकार पहले से ही दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज दे रही है और स्वास्थ्य सुविधाएं उनकी प्राथमिकता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान योजना लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वे दिल्ली सरकार की मौजूदा योजनाओं को बंद नहीं करना चाहते, क्योंकि दोनों योजनाओं में कुछ विरोधाभास हैं। आयुष्मान योजना में कुछ शर्तें और श्रेणियां हैं, जिनके तहत यदि किसी परिवार के पास फ्रिज, दोपहिया वाहन या पक्का मकान हो, तो उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा, आयुष्मान योजना में एक परिवार के लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक इलाज की सीमा तय की गई है। यदि एक परिवार में दो लोग बीमार होते हैं, तो अतिरिक्त खर्च उन्हें अपनी जेब से करना पड़ेगा। उदाहरण के लिए, यदि इलाज का खर्च 10 लाख रुपये है, तो पांच लाख रुपये का अतिरिक्त भुगतान परिवार को करना होगा। इसके विपरीत, दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में कोई खर्च सीमा नहीं है। दिल्ली सरकार आयुष्मान योजना के साथ अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं को लागू करने पर काम कर रही है, ताकि दोनों योजनाओं के लाभ एक साथ नागरिकों को मिल सकें और इसमें कोई व्यवधान न आये।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना का लाभ लेने के लिए कुछ विशेष मानदंडों की पूर्ति जरूरी है, जबकि दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में सरकारी अस्पतालों में गरीब से लेकर अमीर तक, सभी को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है, बिना किसी खर्च सीमा के। अगर दिल्ली सरकार को आयुष्मान योजना लागू करने की वास्तविक इच्छा होती, तो यह योजना पहले ही लागू हो चुकी होती। दिल्लीवासियों को चाहे केंद्र की योजना हो या राज्य की, दोनों से लाभ मिल सकता था। मुख्यमंत्री का यह कहना कि वे आयुष्मान योजना लागू करना चाहते हैं, इसे समझना मुश्किल है, क्योंकि यह लोकहितकारी नीति के खिलाफ लगता है। गौरतलब है कि अक्तूबर, 2024 तक केन्द्र शासित प्रदेश सहित देश के अन्य 36 राज्यों में से 33 में इस योजना को लागू किया जा चुका है। दिल्ली में इस योजना को लागू करने में आप पार्टी ना–नुकर करती रही है। इसके पीछे उसके कुछ तर्क हैं। जिसके परिणामस्वरूप करीब 5 लाख लक्षित लाभार्थी इस स्वास्थ्य कवर से वंचित हैं जो उन्हें पंजीकृत सार्वजनिक और निजी अस्पतालों के विशाल नेटवर्क में देखभाल में होने वाले भारी खर्चे से बचायेगा। दरअसल, इसमें सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि आयुष्मान योजना के संचालन में 60–40 का अनुपात है। यानी इसमें 60 फीसदी हिस्सा केन्द्र सरकार और 40 फीसदी राज्य सरकार वहन करेगी। दिल्ली में यदि यह योजना लागू होती है तो केन्द्र 47 करोड़ दिल्ली को देता। जबकि दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा पहले से ही प्रदान कर रही है। उस दशा में वह आयुष्मान योजना के तहत 40 फीसदी अंशदान क्यों दे।

यह भी जान लें कि आयुष्मान योजना के तहत कुछ विशिष्ट बीमारियों का इलाज किया जाता है। इसके विपरीत, दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में किसी भी प्रकार की बीमारी के इलाज पर कोई विशेष बाध्यता नहीं है। सच तो यह है कि आयुष्मान योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों यानी बीपीएल धारकों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है। भाजपा सांसदों की मानें तो दिल्ली में इस योजना को लागू न करना उनके मूल अधिकारों का उल्लंघन है जबकि दिल्ली सरकार का दावा है कि दिल्ली वासियों के लिए आयुष्मान योजना किसी भी दृष्टि से लाभदायक नहीं है। बहरहाल, यह मसला दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बन गया है। इसे यदि यूं कहें कि यह मुद्दा पूरी तरह राजनीति प्रेरित है। इसमें इतना जरूर है कि यदि किसी योजना में जनता का भला होता है तो उसमें बाधक नहीं बनना चाहिए। जनता का हित किसी भी तरह, कैसे भी हो और वह किसी भी योजना के तहत हो, सरकारों को उसे स्वीकार करना चाहिए। उसमें बाधक बनना किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

भाजपा के खिलाफ 27 में फिर बदलेगा सियासी समीकरण

अजय

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ एक बार फिर से सियासी समीकरण काफी तेजी के साथ बदल रहा हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा–कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक–दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा–कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं।सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हाल यह है कि जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने भी इंडिया ब्लॉक को जेल से एक संदेश भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी लिखा कि संभल की घटना के जैसे ही रामपुर में हुए अत्याचार का मुद्दा भी संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए। कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां तब और बढ़ गईं जब सपा कि तरफ से कहा जाने लगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। बता दें लोकसभा चुनाव के बाद कई चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के बाद इंडिया गठबंधन में अंतर्विरोध बढ़ रहे हैं। उधर दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि यूपी की राजनीति एक बार फिर पलट सकती है। सपा और कांग्रेस के बीच आई दूरियों के बीच मायावती का रुख नई राजनीतिक समीकरणों को जन्म दे सकता है। बहराल, सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में असहजता पैदा हुई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। रिश्तों में खटास का ही नतीजा है कि सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी हाईकमान भी यही चाहता है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल भी कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता नहीं मानते हैं। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में शामिल सपा के एक नेता बताते हैं कि कांग्रेस गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। उसके नेता चुनाव के वक्त ही सक्रिय होते हैं जिससे जनाधार नहीं बढ़ता। ऐसे में बेहतर होगा कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। भाजपा को मात देने के लिए रणनीति के साथ जनता के बीच लगातार जुटे रहने की जरूरत है। बात बीएसपी की की जाए तो हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव और यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस व सपा के बीच बढ़ी दूरियों का सियासी लाभ बसपा को मिलने की उम्मीद है। पार्टी तेजी से बदले राजनीतिक घटना पर नजर बनाए हुए है। यदि कांग्रेस और सपा के बीच बात नहीं बनी तो इसकी वजह से बनने वाले तीसरे मोर्चा का बसपा अंग बन सकती है। जानकारों की मानें तो वर्तमान में पार्टी को अपना वजूद बचाने और देश की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता को बरकरार रखने के लिए इसकी जरूरत भी है। बसपा के इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिला था। इससे पहले बसपा दूसरे दलों की मदद से सरकार बनाती रही, जिसका लाभ उसे लोकसभा चुनावों में भी मिलता गया। वर्ष 2012 में बसपा ने फिर अकेले दम पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया, जो गलत साबित हुआ। यही हाल 2017 के विधानसभा चुनाव में भी हुआ। 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठजोड़ कर लोकसभा चुनाव लड़ा और 10 सांसदों वाली पार्टी बनी। हालांकि इसके बाद वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव और 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने से उसे भारी नुकसान का सामना करना पड़ गया। अब पार्टी की उम्मीदें तीसरा मोर्चा बनने पर टिकी हैं। वैसे तो मायावती सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दोनों दलों को एक मंच पर ला सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो कांग्रेस को दरकिनार कर अगर तीसरा मोर्चा बना तो ममता बनर्जी उसकी निर्विवाद नेता बन सकती हैं। पहले उन्हें मायावती से चुनौती मिलने के जो समीकरण बने थे, वो बीते चुनावों में बसपा के लगातार घटते जनाधार की वजह से ध्वस्त हो चुके हैं। अब बसपा को अपना खोया हुआ जनाधार वापस पाने के लिए दूसरे दलों का सहारा लेना पड़ सकता है। इसके साथ ही बसपा सुप्रीमो ने पुराने बसपाइयों को भी वापस आने का बुलावा दिया है।

कमजोर होता मजबूती देने वाला 'फौलादी ढांचा'

संजय

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा खुद को गृह विभाग सौंपे जाने की मांग करने पर हैरानी नहीं होनी चाहिए। ठीक इसी तरह, इसमें भी कोई आश्चर्य नहीं कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यह महत्वपूर्ण महकमा अपने पास रखना चाहते हैं। देश भर में, योगी आदित्यनाथ से लेकर पिनाराई विजयन और ममता बनर्जी से लेकर चंद्रबाबू नायडू तक, हरेक मुख्यमंत्री ने गृह विभाग अपने पास रखा है। आज राज्य और जिला स्तर के नेता तक को पता है कि प्रभावी राजनीतिक शक्ति दरअसल उसके हाथ में है जिसके अधीन कानून–व्यवस्था एवं खुफिया जानकारी जुटाने वाले विभाग होते हैं। एक समय था जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉयड जॉर्ज के इस कथन को दोहराया था कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) देश का 'स्टील फ्रेम' (मजबूती देने वाला फौलादी ढांचा) है। लेकिन आज, देश भर में जिला स्तर पर भी, अधिकांश लोगों को मालूम है कि जिला कलेक्टर या मजिस्ट्रेट से अधिक शक्तिशाली पुलिस अधीक्षक है। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय में एक अलग कामकाजी माहौल है, जैसा कि पूर्व गृह मंत्री पी. चिदम्बरम ने एक बार मुझे समझाया था, जब उनके सहयोगी और तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति बनने का फैसला लिया, तो चिदंबरम ने नॉर्थ ब्लॉक के पूरबी विंग (गृह मंत्रालय) को छोड़कर पुनः पश्चिमी विंग (वित्त मंत्रालय) में जाने की इच्छा जताई। मैंने उनसे पूछा कि वह ऐसा क्यों करना चाहते हैं। आखिरकार, सरदार पटेल के दिनों से ही गृह विभाग को दूसरा सबसे अहम मंत्रालय माना

जाता रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने भी गृह मंत्रालय खुद को और वित्त मंत्री का कार्य यशवंत सिन्हा जैसे कनिष्ठ नेता को आवंटित करने को कहा। चिदम्बरम का जवाब तीखा और त्वरित था रू 'किसी संकट की स्थिति के अलावा गृह मंत्रालय में करने–धरने को कुछ विशेष नहीं होता। जबकि वित्त मंत्री का काम चौबीसों घंटे चलता है। मैं अभी भी युवा हूं। मुझे किसी प्रकार के सुस्त महकमे की जरूरत नहीं है।' लेकिन जो चिदम्बरम ने नहीं बताया, वह यह है कि गृह मंत्री की असली शक्ति प्रमुख जांच एजेंसियों पर नियंत्रण में निहित है। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की सृजना होने के बाद, अधिकांश खुफिया एजेंसियों के प्रमुख सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को और उसके माध्यम से प्रधानमंत्री को रिपोर्ट कर रहे हैं। दूसरी ओर, वित्त मंत्री के अधीन कुछ खुफिया एजेंसियां हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रवर्तन निदेशालय है। आज, इनमें से कई एजेंसियां, जिनमें बाहरी भेदियों से निपटने वाली एजेंसियां भी शामिल हैं, समय–समय पर केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट करती हैं, जिससे यह पद शक्तिशाली हो गया है। राज्य स्तर पर, गृह मंत्रालय का नियंत्रण केवल कानून–व्यवस्था का प्रबंधन करने और खुफिया जानकारी हासिल करने तक ही सीमित नहीं है। सभी सिविल सेवाओं में पुलिस सबसे शक्तिशाली अंग बन गई है। भले ही केंद्र सरकार से जुड़े महकमों में नियुक्त आईएएस अधिकारियों का सामाजिक रुतबा अधिक माना जाता है, आर्थिक मंत्रालयों की अध्यक्षता करने वालों के अलावा दो शीर्ष पद– कैबिनेट सचिव और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की कुर्सी पर अभी भी उनका वर्चस्व है (हालांकि, पीएन हक्सर और ब्रजेश मिश्रा नियम के अपवाद थे) –लेकिन राज्यों की राजधानियों में उनका रोब–दाब प्रमुख पुलिस से नीचे है। अपने तौर पर, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) ने न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का कार्यालय पाया है बल्कि कई जांच एजेंसियों पर अपना नियंत्रण भी बढ़ाया है। साथ ही नौकरशाही प्रणाली के भीतर काफी शक्ति प्राप्त कर ली है। नौकरशाह ढांचे में, राज्य और केंद्रीय स्तर पर, आईएएस अधिकारियों की तुलना में आईपीएस अधिकारी कहीं अधिक शक्तिशाली बन गए हैं। आईएएस की तुलना में आईपीएस अधिकारी अधिक संख्या में राज्यपाल बने हैं। नई दिल्ली के सत्ता तंत्र में, यह सुनिश्चित करते हुए कि अन्य मंत्रालयों के तहत आती जांच एजेंसियों के प्रमुख भी केंद्रीय गृह मंत्री को रिपोर्ट करेंगे, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपने हाथ में काफी शक्ति समेट ली है। राज्य और केंद्र, दोनों स्तरों पर, सिविल सेवाओं के अन्य सदस्यों की सापेक्षता में पुलिस ने काफी शक्ति पा ली है। यह 'उपलब्धि' उन्होंने राजनीतिक आकाओं के मनमाफिक औजार बनकर हासिल की है। चार दशक पहले की एक सच्ची कहानी बताता हूं। उस समय मैं हैदराबाद विश्वविद्यालय के शिक्षक संकाय में कार्यरत था। मेरा एक छात्र अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद डॉक्टरेट करना चाहता था। जबकि मुख्यमंत्री सचिवालय में गैर–आईएएस सचिव के पद पर तैनात उसके पिता चाहते थे कि बेटा सिविल सेवा परीक्षा दे और आईएएस अधिकारी बने। लेकिन पुत्र अपनी पसंद पर अड़ा हुआ था। इसलिए, पिता ने अपने बॉस और आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चेन्ना रेड्डी, जो कि तेलंगाना के एक दिग्गज और शक्तिशाली राजनेता थे, उनसे अनुरोध किया कि वे बेटे को 'समझाएं'। रेड्डी ने लड़के को बुलाया और उसके मन की सुनी। उन्होंने पिता से कहा कि वे उन्हें अकेला छोड़ दें। युवक को अपने कमरे में बैठाकर, उन्होंने अपने प्रमुख सचिव, एक आईएएस अधिकारी, को बुलाया। अधिकारी अंदर आया, बैठा, मुख्यमंत्री की कही बातें नोट की और बाहर चला गया। फिर रेड्डी ने अपने सुरक्षा प्रमुख, एक आईपीएस अधिकारी, को बुला भेजा। वर्दीधारी वह अधिकारी अंदर आया, उसने मुख्यमंत्री को चुस्त सलामी दी और खड़ा रहा। रेड्डी ने उसे किसी चूक के बारे में डांटा। अधिकारी, जो अभी भी खड़ा था, उसने माफी मांगी, फिर से सलामी दी और जाने की अनुमति मांगी। रेड्डी फिर उस युवक की ओर मुड़े और कहा रू 'कल, तुम्हारे एक प्रोफेसर मुझसे मिलने आए थे। उन्होंने नाना आरोपों से भरा एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मुझे इस बारे में खूब सुनाया कि मेरी सरकार कितनी अयोग्य और भ्रष्ट है। मुझे उन्हें सुनना पड़ा। बल्कि, मैंने उन्हें एक कप चाय भी पिलाई। सो, आज, तुमने देखा कि अधिकारियों और मुख्यमंत्री के बीच व्यवहार कैसा रहता है। अगर तुम पीएचडी करोगे और एक प्रोफेसर बनोगे और किसी मुख्यमंत्री से मिलने जाओगे, तो तुम्हारे साथ उचित सम्मान से पेश आया जाएगा। अगर तुम आईएएस बनोगे, तो तुम्हें संभालने के लिए दिलचस्प जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। यदि एक पुलिस अधिकारी बन गए, तो मेरे जैसे राजनेताओं को सलाम ठोकनी पड़ेगी। अब यह तुम तय करो कि कैसी जिंदगी चाहिए।' लड़का दंग रह गया, जबकि उसके पिता मुख्यमंत्री के दिए इस छोटे से सबक से असंतुष्ट थे। वह युवक बाद में अमेरिका चला गया। जब मैंने यह किस्सा उसके मुंह से सुना, तो रेड्डी के लिए मेरा सम्मान एकाएक बढ़ गया। अपनी पीढ़ी की तरह वे भी अलग किस्म के राजनेता थे। आज की तरह वे लोग निर्लज्ज होकर सत्ता का इस्तेमाल नहीं करते थे। तीस साल पहले, एनएन वोहरा, एक प्रतिष्ठित सिविल नौकरशाह, जिन्होंने केंद्रीय गृह सचिव, रक्षा सचिव और जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल जैसे प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया, । उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव द्वारा बनाई समिति के तहत एक रिपोर्ट दी। रिपोर्ट 'पुलिस, राजनेता, अपराध सिंडिकेट और माफिया के बीच सांठ–गांठ' की जांच पर आधारित थी। वर्ष 1993 की इस बेहद संवेदनशील रिपोर्ट का सारांश तो सार्वजनिक किया गया।

राज्य महिला आयोग सदस्य की निरीक्षण में महिला थाना, महिला कारागार,महिला अस्पताल,आंगनबाड़ी केन्द्र व कस्तूरबा गांधी विद्यालय सब कुछ रहा ओके

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राज्य महिला आयोग की सदस्य डा0 प्रियंका मौर्या ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान महिला थाना, महिला कारागार व महिला अस्पताल, आंगनबाड़ी केन्द्र अंगूरीबाग व कस्तूरबा गांधी विद्यालय सोहावल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्हें सब कुछ ओके मिला।महिला थाना के निरीक्षण के दौरान वहां की साफ सफाई एवं रजिस्टर के रख रखाव की व्यवस्था ठीक पायी गयी जिसको लेकर उन्होंने महिला थाना अध्यक्ष मंजू देवी की पीठ थपथपाई।उसके बाद वे महिला जिला चिकित्सालय जाकर कन्या जन्मोत्सव का कार्यक्रम मे शामिल हुई।उस मौके पर उनके द्वारा केक काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया साथ ही साथ वहां उपस्थित नवजात कन्याओं को बेबीकिट, डायपर व दूध की बोतल दिया गया।उन्होंने वहां मरीजों से मुलाकात कर उनसे वार्ता किया।साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा गया इसके लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।उसके बाद वें आंगनबाड़ी केन्द्र अंगूरीबाग पहुंची जहां पर उनके द्वारा बच्चों का अन्नप्रासन कराया गया और साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। वहां पर उनके द्वारा उपस्थित महिलाओं से सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में भी पूछा गया।सभी द्वारा अवगत कराया गया कि संचालित योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्र के आवश्यक रजिस्टर, साफ सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी उनके द्वारा देखा गया तथा सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये। इसके उपरांत उनके द्वारा कस्तूरबा गांधी विद्यालय सोहावल का निरीक्षण किया गया जहां पर बच्चियों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम पूछा गया तथा उनको मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गयी।उनके द्वारा परिसर को भी देखा गया।जिसमें साफ सफाई व्यवस्था ठीक पायी गयी तथा अन्य आवश्यक दिशा निर्देश सम्बंधित को दिये गये। इससे पूर्व 11 दिसम्बर की शाम उनके द्वारा कारागार में महिला बंदियों से मिलकर उनका कुशलक्षेम पूछा गया।इस दौरान उनके साथ जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्विनी कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये डीएम की अध्यक्षता मे बैठक सम्पन्न

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। प्रान्तीयकृत मेला की तैयारी को लेकर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी,विधायक सदर वेद प्रकाश गुप्ता, जिलाधिकार चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।बैठक मे एडीएम सिटी सलिल कुमार पटेल ने बताया कि मेला की तैयारियों के सम्बंध में बताया कि 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के मध्य प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 का आयोजन हो रहा है।मेले में सम्मलित होने वाले अधिकांश श्रद्वालु अयोध्या धाम की पवित्र सरयू नदी में स्नान कर विभिन्न मठ–मंदिरों में दर्शन पूजन करते है।इसी दौरान अयोध्या का प्रान्तीयकृत मकर संक्रान्ति मेला–2025 (दिनांक 12.01.2025 से दिनांक 16.01.2025 तक) व बसन्त पंचमी मेला–2025 (दिनांक 01.02.2025 से 05.02.2025 तक) का आयोजन होगा।बैठक मे जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने कहा कि मेला क्षेत्र के समस्त मार्गो, नालियों आदि की सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था, सम्पूर्ण मेला क्षेत्र के नलकूपों का संचालन, खराब इंडिया मार्का हैंडपम्पों रिबोर/ठीक कराना, विश्राम स्थलों पर शुद्व पेयजल एवं वाटर क्लोराइजेशन व्यवस्था कराना, पार्किंग की व्यवस्था, मेला क्षेत्र के विभागीय सड़कों की दरेसी कराना, विभागीय फैन्सी लाइटध्घाटों पर लगे विद्युत पोलों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, प्रमुख मंदिरों पर बालू एवं लेबर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराना, मेला क्षेत्र के सभी सुलभ शौचालयों की सफाई तथा आवश्यकतानुसार मोबाइल टायलेट आदि की व्यवस्था, निराश्रित गोवंशो को गोआश्रय केन्द्रों में रखवाना आदि को नगर निगम अयोध्या को व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। यात्रियोंध्श्रद्वालुओं को रात्रि विश्राम के लिए टेण्ट लगवाने हेतु खाली स्थानों के चयन के लिए तथा पर्याप्त शौचालय की व्यवस्था व प्रमुख स्थलों, घाटों पर अलाव जलाने हेतु सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि अस्थायी प्राथमिक उपचार केन्द्रों की स्थापना, चिकित्सकध्उपकरण एवं दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, विभिन्न चिकित्सालयों में बेड आदि आरक्षित करना, चिन्हित स्थलोंध्मुख मंदिरों के पास 24 घंटे इमरजेंसी एम्बुलेंस मय स्ट्रेचर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुये कहा कि मेला अवधि में अनवरत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करायें, मेला क्षेत्र के ढीलेध्लटके तारों को कसाना एवं सभी पोलों की चेकिंग एवं नीचे से लटके पोलों को ठीक कराये तथा अतिरिक्त मोबाइल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। विद्युत कंट्रोल रूम की स्थापना एवं उपकरणों सहित कर्मचारियों की शिफ्टवार टीम की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जल निगम को नाली के पानी की रोकथाम कराना, सीवर के ढक्कनों की मरम्मत तथा सीवर लाइन हेतु खोदी गयी सड़कों की मरम्मत कराना सुनिश्चित करें लापरवाही करने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के प्रान्तीय खण्डधनिर्माण खण्ड 3, निर्माण खण्ड 4 को मेला क्षेत्र में पड़ने वाले सभी विभागीय सड़कों की आवश्यकतानुसार मरम्मत व दरेसी आदि सम्बंधित विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने मेला क्षेत्र में खाद्य एवं पेय पदार्थ की चेकिंग करना, मेला क्षेत्र के ढाबे रेस्टोरेंट इत्यादि की चेकिंग लगातार कराने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिये। पुराने पुल से कटरा तिराहा तक पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हेतु जिलाधिकारी गोंडा को पत्र जारी करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने सचिव अयोध्या विकास प्राधिकरण को सरयू कच्चा घाट, पक्का घाट, लक्ष्मण किला, पापमोचन घाट, झुनकीघाट, राजघाट, गुप्तारघाट एवं अन्य घाटों के उखड़े पत्थरों को ठीक कराये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सूचना विभागध्संस्कृति विभाग से कहा कि एलईडी स्क्रीनधडिस्प्ले बोर्ड,

प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, होर्डिंग्स, स्टैण्डी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने पुलिस विभाग को मेले के समय पुलिस की उपलब्धता, पुलिस की ड्यूटी पर्याप्त संख्या में हो, जल पुलिस व मोटर वोट की व्यवस्था, वाहन पार्किंग स्थल का चयन, अग्निशमन एवं वाटर कैनन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय।बैठक मे जिलाधिकारी ने सरयू नहर खण्ड, प्रभागीय वनाधिकारी वन प्रभाग, आर0एम0 रोडवेज, एडीआरएम रेलवे अयोध्या,अधीक्षक राजकीय उद्यान, साकेत डेयरी, कैण्ट बोर्ड, उपनिदेशक पर्यटन, एन0एच0ए0आई0, जिला युवा कल्याण आदि विभागों की समीक्षा में सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।बैठक मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर ने विभागीय तैयारी के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया और साथ ही यह भी कहा कि अन्य विभागों को पुलिस से जो भी सहयोग चाहिए वह दिया जायेगा।विधायक सदर वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया करायी जाय, जिससे वह यहां से जाये तो अपने को अच्छा महसूस करें। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी अधिकारियों को दी गयी है वे जिम्मेदारी से कार्य करें और मेले को सकुशल सम्पन्न करायें।महापौर अयोध्या महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि पूर्व के मेलों की भांति बेहतर व्यवस्था करायें। इस बार मेला में भारी संख्या में श्रद्वालुओं के आने की सम्भावनाएं है तथा अन्य प्रान्तों से भी श्रद्वालु आयेंगे।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि विध्ाायक,महापौर के द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिया गया है उसका जिला प्रशासन कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि बैठक के दौरान जिन–जिन विभागों को जो–जो जिम्मेदारियां दी गयी है उसे वह समय से पूरा करायें, जिससे मेला को सकुशल सम्पन्न कराया जा सकें और आने वाले श्रद्वालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।बैठक मे पुलिस अधीक्षक नगर श्री मधुबन कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 संजय जैन, अपर नगर आयुक्त शशिभूषण, सिटी मजिस्ट्रेट ,रेजिडेंट मजिस्ट्रेट , सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी, मेला सहायक कौशल किशोर श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्रों ने विज्ञान प्रदर्शनी मे अपने प्रतिभा का किया प्रदर्शन

अयोध्या। जगदीश कृष्णा एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल अयोध्या में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।इस मौके पर स्कूल के छात्र–छात्राओं ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजित प्रदर्शनी मे बड़ी संख्या में विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों नेता अपनी सहभागिता के साथ अनेक उपकरणों का प्रदर्शन कर उसके बारे मे जानकारी दिया।इस मौके पर विद्यालय संस्थापक जगदीश प्रसाद मिश्रा, प्रबंधक एडवोकेट प्रवीण मिश्रा डायरेक्टर प्रदीप मिश्रा,प्रधानाचार्य रश्मि पांडेय,अनिल तिवारी,उदयराज सिंह, शिक्षकों मे समर बहादुर प्रजापति,अनीता शुक्ला,अंजू दुबे,दिव्या पांडे, पूजा मौर्य,शिखा मिश्रा,आरती यादव सहित अन्य शिक्षक, कर्मचारी,छात्र व उनके अभिभावक मौजूद रहे।

माझा व आसपास इलाकों मे एक बार फिर तेदुंए की आहट से वन विभाग सतर्क

बैनर पोस्टर से लोगो को किया जा रहा जागरुक : डीएफओ

अयोध्या। थाना कैंट क्षेत्र मे कई महीनो से निर्मलीकुंड माझा व आसपास इलाके में तेंदुए की आहट से वहां के लोगो के चेहरों पर किसी अनहोनी को लेकर चिंता की लकीरें साफ साफ दिखाई दे रही है।बताते चले की पिछले एक माह से एक बार फिर थाना कैंट क्षेत्र के माझा व आसपास इलाकों में तेंदुआ के विचरण करने की बात आ रही है।जिसके चलते वहां के स्थानीय लोगों में तेंदुआ को लेकर काफी भय बना हुआ है।लोगों की माने कि यहां तक की शाम को बहुत ही जरुरी पड़ता है तभी लोग निकलते हैं नहीं तो वह सभी अपने–अपने घरों में कैद हो जाते हैं। इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी प्रणव जैन ने बताया कि अभी तक तेंदुए से संबंधित पद चिन्ह नहीं मिले हुए हैं। हां उन्होंने इतना जरूर स्वीकार किया कि हरा भरा जंगल होने के चलते यहां पर तेंदुआ आ सकता है।तेंदुआ की गतिविधियों पर वन विभाग द्वारा पैनी नजर बनाए रखने के लिए जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में जगह जगह पर पिंजड़े व ट्रैपिंग कैमरे भी लगाए गए हैं।उन्होंने बताया कि तेंदुए पर पहनी नजर रखने के लिए कई टीमों का गठन भी किया गया है।इस टीम में शामिल सभी सदस्यों की पैनी नजर सीसीटीवी कैमरे, ट्रैपिंग कैमरे तथा वहां पर लगाए गए पिंजरों पर हैं। इसके अलावा वहां के लोगों को पोस्टर बैनर के माध्यम से वन विभाग के कर्मियों द्वारा जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा चेतावनी भारी पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील किया है।जिस क्षेत्र में है तेंदुआ होने की संभवना है,उस क्षेत्र में लोग न जाये।

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु जनपदीय विज्ञान माडल प्रतियोगिता

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज श्री वेणीमाधव इंटर कालेज हरदोई में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उ प्र शासन के निर्देशानुसार कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु जनपदीय विज्ञान माडल प्रतियोगिता का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने किया इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद, संयोजक सतीश चन्द्र यादव, प्रधानाचार्या गीता शुक्ला शिक्षक संघ के मंडलीय अध्यक्ष विधानचंद्र द्विदी आदि उपस्थित रहे प्रतियोगिता में 46 विद्यालय लगभग 326 छात्र छात्राओं ने 162 माडल प्रदर्शनी लगाई मुख्य अतिथि श्रीमती सिंह ने माडलो को देखकर कहा कि जिले के बच्चों ने काफी मेहनत की है अच्छे माडल बनाये है कुछ बच्चों से माडल से संबंधित प्रश्न पूछे जिनका उत्तर सही दिया यह सुनकर और प्रसन्न हुई आज की प्रतियोगिता में सनातन धर्म इ कालेज के अभिषेक पाण्डेय, राजकीय इंटर कालेज हरदोई के आलोक तिवारी, वेणीमाधव इ कालेज की बैष्णवी टंडन, राजकीय बा इ का पिहानी की वन्दना, राजकीय बा इ का सुम ई कीमोहनी जे के पब्लिक स्कूल के गोयान्श तिवारी, आर आर के पिरनशपाल, आर्य कन्या इंटर कालेज हरदोई साक्षी वर्मा, वी जी आर विलग्राम के नीतेश के माडलो को मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए चयनित किया गया जिला स्तर परआर आर कालेज के बादाम सिंह को प्रथम , जे के पब्लिक स्कूल के दिव्यांश को दिव्तीय, एस डी कालेज के अर्पित अवस्थी को तृतीय स्थान प्राप्त किया वेणीमाधव इ कालेज की हिफजाअजीज ,अफीफा हबीब को सांत्वना पुरस्कार मिला निर्णायक अमित गंगवार, सुनील मंडल, वीरेंद्र कुमार राना,तथा मुख्य निर्णायक वी सी द्विदी रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में राजदेव सिंह,विन्दुशेखर, आदित्य स्वतन्त्र,दीपक।मिनरल, रविन्द्र वर्मा, मिथलेश कुमारी, प्रभा सिंह, रूचि श्रीवास्तव,निधि दीक्षित, सल्तनत, अक्षिताआदि जिले के शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहयोग किया पुरस्कार वितरण जिला विद्यालय निरीक्षक ने किया अन्त में संयोजक सतीश चन्द्र यादव तथा कोषाध्यक्ष विधानचंद्र द्विदी ने कहा कि आप सब के सहयोग से प्रतियोगिता सही तरह से सम्पन्न हुई आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

साइबर क्राइम सेल टीम ने वादी को कराया 73600 रुपये कराया वापस

अयोध्या। गुरुवार को साइबर क्राइम सेल टीम ने वादी को बैंक का अधिकारीध्कर्मचारी बताकर साइबर ठगों द्वारा वादी के खाते से 73600/– रुपये की धोखधडी किये गये मामले मे तत्काल कार्यवाही करते हुए होल्ड कराकर वादी का पैसा वापस कराया।बताते चले कि आवेदक सरियावां थाना पूराकलन्दर जनपद अयोध्या। निवासी द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर के सामने शिकायती पत्र प्रस्तुत किया था।वादी ने बताया कि, अज्ञात व्यक्ति फोन पर अपने आप को बैंक का अधिकारीध्कर्मचारी बताकर क्रेडिट कार्ड का पिन जनरेट करने के नाम पर मुझे झांसे मे लेकर मुझसे 73600/– रुपये का आनलाइन फ्राड किया गया है।उक्त घटना को संज्ञान मे लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मामले के खुलासे के लिए साइबर क्राइम सेल को निर्देश दिया। जिसके चलते साइबर क्राइम टीम ने ठगी की धनराशि को बैंकध्नोडल अधिकारियों से सम्पर्क करके होल्ड कराया गया तथा पूर्ण धन राशि 73600/– को आवेदक के खाते में वापस कराया गया।जिसपर आवेदक द्वारा उनके रुपये वापस मिलने पर साइबर क्राइम सेल अयोध्या की टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की गयी तथा धन्यवाद दिया गया।टीम मेउ0 नि0 इश्त्याक अहमद व अन्य कर्मियों का विशेष सहयोग रहा।

दो दिवसीय मिनी ओलम्पियाड खो–खो प्रतियोगिता

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। सी.बी. एस. ई. सहोदया स्कूल समूह के अन्तर्गत चिल्ड्रेन्स एकेडमी कॉलेज, माल एवेन्यू में दो दिवसीय मिनी ओलम्पियाड खो–खो प्रतियोगिता का आरम्भ हुआ । इसके अन्तर्गत लखनऊ के अनेकों विद्यालयों ने भागीदारी करी– जिनमें शिवानी पब्लिक स्कूल ट्रान्सपोर्ट नगर, भार्गी राज रॉयल एकेडमी–रायबरेली रोड, सेन्ट एंथोनी पब्लिक स्कूल–पारा, एस.डी. एस. एन. पब्लिक स्कूल– गोमती नगर, जयपुरिया स्कूल–कुर्शी रोड, जयपुरिया स्कूल कानपुर रोड, ब्राइटलैण्ड स्कूल – सीतापुर रोड, एस.के. डी एकेडमी वृन्दावन योजना. जयपुरिया स्कूल – बन्सल कैम्पस तथा गोयल कैम्पस ब्रान्च, एल.पी. एस. – वृन्दावन योजना, सेन्ट फ्रान्सिस मिशन स्कूल–तेलीबाग थे। प्रतियोगिता का आरम्भ मुख्य अतिथि भी जावेद आलम अध्यदा सब सहोदध्या लखनऊ। प्रधानाचार्य लखनऊ पब्लिक कॉलिजिएट का मिस शिफालिका मिश्रा–प्रधानाचार्या सह निदेशक चिल्डेन्स एकेडमी तथा मिस स्वरन वज्रा – प्रबन्धक चिल्डेन्स एकेडमी के द्वारा स्वागत से हुआ। अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में श्रीमती प्रेरणा मित्रा – दक्षेत्रीय सचिव सहोदध्या लखनऊ। प्रधानाचार्या गोयन्का स्कूल, श्रीमती ऋचा खन्ना–दक्षेत्रीय सचिव सहोदध्या। प्रधानाचार्या तथा सह के वरदान इन्टरनेशनल स्कूल,. श्रीमती शर्मिला निदेशक सिंह दक्षेत्रीय सचिव – सहोदया लखनऊ ।. 5/ प्रधानाचायो तथा सह निदेशक पाँया नुयर मॉन्टेसरी स्कूल समूह मिस पूनम गौतम क्षेत्रीय सचिव सहोदध्या लखनऊ। प्रधानाचार्या जयपुरिया (कानपुर रोड) जिला खो–खो संघ के सचिव राजेश कुमार वर्मा भी उपास्थित रहे। प्रतियोगिता में ब्रास्ट बेल स्कूल में प्रथम एवं चिल्ड्रेन्स एकेडेमी कालेज इसेर स्थान पर रखे रेगुलेटरी फ्रेमवर्क –1) का पेपर बांट दिया गया था। परीक्षार्थियों ने इसकी शिकायत कक्ष निरीक्षक से की। कक्ष निरीक्षक ने तत्काल इसकी सूचना केंद्राध्यक्ष डॉ. अमित उपाध्याय को दी। केंद्राध्यक्ष ने सभी प्रश्नपत्र और ओएमआर जमा करा लिए। तत्काल कोर्स समन्वयक डॉ. मनीष कुमार, डीन कॉमर्स प्रो. श्रीवध्न पाठक और परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह को इसकी जानकारी दी गई। छात्रों को समझाया गया कि वे निश्चिंत रहें, उनका नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम/प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदेई के अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई भूपेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रमध्प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक कार्यालय हरदेई के समागार में किया गया। कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम 2013 आयोजित जागरूकताध्शिक्षण कार्यक्रम में अपर जिला जज द्वारा महिलाओं का उत्पीड़न रोकथाम,निषेध एवं निवारण अधिनियम 2013 विषय पर संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में जो महिलाएं अपने घरों से बाहर निकल कर कार्य करती हैं।यह अधिनियम उन सभी महिलाओं के लिए बनाया गया है। इस अधिनियम में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न की रोकथाम किस प्रकार की जाएगी इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 विषय पर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में।जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित बैंक अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर उप आंचलिक प्रबन्धक सुधीर कुमार सिंह, एल0 डी0 एम0 अरविन्द रंजन सहित कर्मचारीगण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार मिश्र, देवेन्द्र कुमार सिंह, लिपिक अभिषेक अवस्थी व पी0एल0वी0 दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

112 लोगों को चश्मा प्रदान किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री बांके बिहारी चौरिटेबल हॉस्पिटल दिल्ली के सौजन्य से आरबीएल बैंक गोमती नगर में हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। डॉक्टर एम एस राठौर ने नेत्र परीक्षण किया तथा 112 लोगों को चश्मा प्रदान किया।

डॉक्टर आशीष ने 112 लोगों की ब्लड जांच की।इसमें 6 प्रकार की रिपोर्ट प्रदान की जाएगी। ऋषभ, अरुण,रवि सहयोगी रहे।

बीकॉम में प्रथम की जगह बंट गए द्वितीय के प्रश्नपत्र

गोरखपुर,(संवाददाता)। गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चल रही विषम सेमेस्टर परीक्षाओं में मंगलवार को बड़ी चूक सामने आई है। बीकॉम (बैंकिंग एंड इंश्योरेंस) की परीक्षा में प्रथम की जगह द्वितीय प्रश्नपत्र बंट गए। छात्रों की शिकायत पर परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया गया। अब प्रथम और द्वितीय प्रश्नपत्रों की समय–सारिणी में बदलाव कर दिया गया है। प्रश्न पत्र के पैकेट पर कोर्स कोड गलत दर्ज होने के कारण यह चूक हुई है। जानकारी के अनुसार, बीकॉम (बैंकिंग एंड इंश्योरेंस) तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं मंगलवार को ही शुरू हुई थीं। पूर्वाह्न 11रू30 से एक बजे की पाली में परीक्षा निर्धारित थी। प्रथम प्रश्न पत्र का कोर्स कोड (बीएंडआई 201–मार्केटिंग ऑफ फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज) था। प्रश्नपत्र का जो पैकेट आया था, उस पर भी यही दर्ज था, लेकिन अंदर द्वितीय प्रश्नपत्र था। कला संकाय भवन स्थित परीक्षा हॉल में बैठे करीब 150 विद्यार्थियों को जब प्रश्न पत्र मिला तो उनके होश उड़ गए। सभी विद्यार्थियों को द्वितीय प्रश्न पत्र कोर्स कोड (बीएंडआई 202–बिजनेस

दो और गिरफ्तार, सख्ती बढ़ी तो दोनों गांवों से पुरुष फरार हो गए

गोरखपुर,(संवाददाता)। क्रिकेट खेलने के मामूली विवाद में दो गांवों के युवकों के भिड़ जाने व चाकू मारने की घटना में शामिल दो और आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। उधर, इस मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। ऐसे में दोनों गांवों के आरोपियों के साथ ही अन्य पुरुष भी फरार हो गए हैं। कई घरों में सिर्फ महिलाएं ही हैं, तो कई घरों पर ताले पड़े हैं।

राम लला मन्दिर के रंग मंडप का शिखर बनकर तैयार

लखनऊ,(संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के निर्माण कार्य के पांच मंडपों में से एक रंग मंडप का शिखर पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो गया है। आज से ठीक एक माह बाद 11 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ श्प्रतिष्ठा द्वादशीश समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। इसकी सम्पूर्ण रूपरेखा तैयार करने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से चार सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसी के द्वारा सब कुछ तय किया जाना है। उल्लेखनीय है कि सप्तऋषि मन्दिर, परकोटे के साथ बनने वाले शिव, सूर्य, मां दुर्गा, देवी अन्नपूर्णा गणेश और हनुमानजी आदि के मन्दिरों के निर्माण में भी तेजी आई है। बीते दिनों निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र की समीक्षा बैठक के उपरान्त मजदूरों की संख्या में वृद्धि की गई थी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को जिस तिथि पर हुई थी, उस दिन द्वादशी तिथि थी। हिंदू तिथि के अनुसार इस बार द्वादशी तिथि 11 जनवरी को पड़ रही है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाए जाने का निर्णय हुआ है। तीन दिवसीय उत्सव में विभिन्न प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। दिन में कौन–कौन से उत्सव होंगे और रात में किन कार्यक्रमों का आयोजन होगा, इसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए चार सदस्यीय टीम बनाई गई है। यह टीम उत्सव की रूपरेखा तैयार कर रही है। निश्चित रूप से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ भव्य व ऐतिहासिक होगी। प्रतिष्ठा द्वादशी का आयोजन हर साल किया जाएगा।

संवैधानिक तरीके से अब चुनौती देने की तैयारी

लखनऊ,(संवाददाता)। पूर्वांचल और दक्षिणांचल को प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत संचालित करने के लिए तैयार किए गए प्रस्ताव में कई तरह की वित्तीय खामियां हैं। प्रस्ताव में गैर सरकारी उपभोक्ताओं का एग्रीकेट टेक्निकल एंड कामर्शियल (एटी एंड सी) हानियां दक्षिणांचल की 39.42 फीसदी और पूर्वांचल की 49.22 फीसदी बताई गई हैं। वहीं केंद्र सरकार की ओर से इसे वर्ष 2024–25 के लिए दक्षिणांचल के लिए 18.49 और पूर्वांचल के लिए 18.97 फीसदी तय किया गया है। उपभोक्ता परिषद ने इस अंतर को चुनौती दी है और आरोप लगाया है कि आकलन के दौरान आंकड़े जानबूझ कर गलत बताए जा रहे हैं। परिषद ने मुख्यमंत्री और उर्जा मंत्री से प्रस्ताव की खामियों को लेकर सीबीआई जांच कराने की मांग की है। हालांकि पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन से जुड़े अधिकारी इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से इन्कार कर रहे है। उनका कहना है कि उन्होंने मसौदा शासन को भेज दिया है। फैसला वहां से होना है। पूर्वांचल और दक्षिणांचल को पीपीपी मॉडल पर चलाने के प्रस्ताव को निदेशक मंडल से पास करने के बाद एनर्जी टास्क फोर्स में भेजा गया है। यहां मुहर लगने के बाद इसे कैबिनेट में भेजा जाएगा। इसी बीच मंगलवार को उपभोक्ता परिषद ने एनर्जी टास्क फोर्स में रखे गए प्रस्ताव में वित्तीय आंकड़ों में कई तरह के हेरफेर होने का दावा किया। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि भारत सरकार की स्टैंडर्ड बिल्डिंग गाइडलाइन के अनुसार 15 फीसदी से अधिक एटी एंड सी हानियों के आधार पर निगम को पीपीपी मॉडल को दिया जा सकता है। भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश में एटी एंड सी हानियों का अनुमोदन किया है। इसमें दक्षिणांचल की 18.49 और पूर्वांचल की 18.97 फीसदी है। जबकि कॉर्पोरेशन के प्रस्ताव में दक्षिणांचल की 39.42 फीसदी और पूर्वांचल की 49.22 फीसदी दिखाई गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे कुछ अधिकारियों की उद्योगपतियों को उपकृत करने की मंशा है। इसी तरह स्टैंडर्ड बिडिंग गाइडलाइन में भी नियमों को दरकिनार किया गया है। दोनों निगमों की परिसंपत्तियां करीब लगभग 80 हजार करोड़ हैं, जिसमें आरडीएसएस योजना सहित विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे कार्य भी हैं। इसके बाद भी भारत सरकार का नियम है कि निगम की कुल परिसंपत्तियों के आधार पर ही उसे अधिग्रहित करने वाली कंपनी की माली हालत 30 फीसदी होनी चाहिए। यदि निगमों के आधार पर देखें तो इन्हें अधिग्रहित करने वाली कंपनी की माली हालत 24 हजार करोड़ होनी चाहिए। इसे पांच हिस्से में बांटा जाए तो नई बिजली कंपनी की माली हालत कम से कम 4800 करोड़ जरूरी है, लेकिन प्रस्ताव में नई बनने वाली कंपनी की टेंडर प्रक्रिया की शर्तों में रिजर्व बीडिंग में शामिल होने वाली कंपनी की माली हालत सिर्फ दो हजार करोड़ ही रखी गई है। वर्मा ने दावा किया कि प्रस्ताव में आरक्षित निविदा मूल्य 2000 करोड़ आकलित करते हुए गोरखपुर कलस्टर की न्यूनतम निविदा मूल्य करीब 1010 करोड़, काशी कलस्टर की करीब 1650 करोड़, प्रयागराज कलस्टर की करीब 1630 करोड़, आगरा–मथुरा कलस्टर की करीब 1660 करोड़, झांसी–कानपुर कलस्टर की करीब 1600 करोड़ रुपया आंका गया है। स्टैंडर्ड गाइडलाइन के हिसाब से उत्तर

प्रदेश की यह निविदा पीपीपी मॉडल एटी एंड सी हानियों के आधार पर होनी चाहिए। परिषद के अध्यक्ष ने गलत आंकड़े पेश करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह भी कहा कि इस मामले को लेकर संवैधानिक लड़ाई लड़ी जाएगी।

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से 17 को

पेश हो सकता है 15 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट भी

लखनऊ,(संवाददाता)। 16 दिसंबर से शुरू हो रही विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में 17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। महाकुंभ पर केंद्रित अनुपूरक बजट का आकार 12 से 15 हजार करोड़ रुपये के बीच होने की संभावना है। सत्र के पहल दिन औपचारिक कार्य जैसे अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों को सदन के पटल पर रखा जाएगा और विधायी कार्य निपटाए जाएंगे।17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया होगा। 18 दिसंबर को अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी, जिसके बाद उसे पारित किया जाएगा। वहीं 19 और 20 दिसंबर को विधायी कार्य होंगे। कार्यक्रम के मुताबिक 20 दिसंबर को सदन आधे दिन संचालित होगा। अनुपूरक बजट का मुख्य हिस्सा महाकुंभ के लिए परिवहन विभाग, नगर विकास विभाग सहित कुंभ से जुड़े अन्य विभागों को आवंटित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक विकास और एमएसएमई को भी बजट में हिस्सा दिया जाएगा।अभी विभागों के पास पूर्व में आवंटित बजट ही काफी बचा है। इसके अलावा भारत सरकार से भी अनुदान, वित्त आयोग सहित अन्य मदों से धन आ रहा है। लगभग 2.34 लाख करोड़ रुपये मार्च तक केंद्र से मिलना है। फरवरी के दूसरे हफ्ते में पूर्ण बजट आना है, इसलिए अनुपूरक बजट का आकार छोटा ही रहने की संभावना है। अनुपूरूक बजट के लिए सभी विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। इससे पहले जुलाई में 12209 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया गया। तब बजट में सर्वाधिक 7500 करोड़ रुपये औद्योगिक विकास के लिए आवंटित किए गए थे।

भाजपा संगठन में बड़े फेरबदल की तैयारी

लखनऊ,(संवाददाता)। विधानसभा के उपचुनाव में मिली जीत से उत्साहित भाजपा अब युवाओं और महिलाओं पर खास फोकस करेगी। प्रदेश भाजपा के सांगठनिक चुनाव की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को प्रदेश के सभी छह क्षेत्रों में बैठक हुई। इसमें महिलाओं और युवाओं को संगठन में तरजीह देने पर मंथन किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्षों के चुनाव के लिए मानक भी तय किए गए। यह भी तय किया गया है कि मंडल अध्यक्षों का नाम अब प्रदेश स्तर से ही तय किया जाएगा। साथ ही संगठन में युवाओं और महिलाओं को तरजीह देने के भी फैसले लिए गए हैं। सभी क्षेत्र के चुनाव अधिकारियों को हर हाल में मंडल अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया 15 दिसंबर तक पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अवध क्षेत्र की बैठक राजधानी के विश्वसरैया सभागार में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रदेश महामंत्री ने अवध क्षेत्र की बैठक में कहा कि प्रदेश में प्राथमिक सदस्य और सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान पूरा हो चुका है। बूथ समितियों के गठन और मण्डल अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि सभी बूथों का भौतिक सत्यापन भी किया जाएगा। इसके लिए शक्ति केंद्र स्तर पर विस्तारक तय किए जाएंगे। वो तीन दिन तक स्थानीय स्तर पर प्रवास कर बूथ समितियों का सत्यापन करेंगे। बता दें कि राष्ट्रीय महामंत्री व केंद्रीय प्रेक्षक विनोद तावड़े ने पश्चिम क्षेत्र, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कानपुर क्षेत्र, मुख्य चुनाव अधिकारी डा. महेंद्रनाथ पांडेय ने गोरखपुर क्षेत्र, सह प्रभारी संजीव चौरसिया ने ब्रज क्षेत्र और संजय भाटिया ने काशी क्षेत्र में बैठक की अध्यक्षता की। राजधानी में आयोजित कार्यशाला में संगठन महामंत्री धर्मपाल ने कहा कि मजबूत बूथ और मंडल इकाइयां ही 2027 के चुनाव में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाने में मदद करेंगी। विधानसभा और जिले में मंडल अध्यक्ष के चयन में समाज के प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। संगठन सशक्त बनाने में वरिष्ठों के अनुभवों का लाभ भी लिया जाए। निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल लोग ध्यान रखें कि उन्हें निर्णय अपनी पसंद से नहीं, संगठन हित में लेना है। कार्यशाला को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. रमापति राम त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री व अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय, प्रदेश की सह चुनाव अधिकारी रंजना उपाध्याय, अवध क्षेत्र के अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने भी संबोधित किया। इसके अलावा जिला चुनाव अधिकारी–सहचुनाव अधिकारी, मंडलो के चुनाव अधिकारी सहित जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी उपस्थित थे।

सीतापुर में दूसरे दिन भी गरजा बुलडोजर

लखनऊ,(संवाददाता)। सीतापुर जिले की सदर तहसील की टीम ने बुधवार को भी जीआईसी से सिटी स्टेशन रोड के बीच अवैध अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की। नायब तहसीलदार अतुल सेन के नेतृत्व में पहुंची राजस्व कर्मियों व पुलिस की संयुक्त टीम ने कब्जा हटवाना शुरू किया। इस दौरान कुछ लोग अपनी दुकान और अपना अतिक्रमण खुद हटाते नजर आए। कुछ लोगों ने विरोध किया तो पुलिस ने लाठियां फटकार कर उन्हें खदेड़ा। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

बस के आगे दौड़ता रहा फिर रेलिंग पर चढ़कर नदी में लगाई छलांग

लखनऊ,(संवाददाता)। बहराइच के कतर्नियाघाट जंगल क्षेत्र में इन दिनों रिहायसी इलाकों में तेंदुओं की चहलकदमी बढ़ गयी है। मंगलवार की देर शाम को जंगल से भटककर एक तेंदुआ चौधरी चरण सिंह घाघरा बौराज पर पहुंच गया जहां वह पुल पर बैठ गया। इस बीच काफी दूर दौड़ने के बाद वह डाउन स्ट्रीम घाघरा की ओर पुल की रेलिंग पर चढ़ गया और वहां से नदी की ओर उसने छलांग लगा दी। पुल पर दौड़ते हुए और रेलिंग पर छड़कर छलांग लगाते हुए तेंदुए का वीडियो वायरल है।

निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर 24 घंटे मिलेगी पेयजल की सुविधा

लखनऊ,(संवाददाता)। वर्ष 1950 में निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर स्थापित स्टील की पानी की टंकी जर्जर होकर टूट गई थी। टंकी टूटने से लगातार पानी बहता रहता था। टंकी में ज्यादा देर तक पानी नहीं रुकता था। इसके चलते लखनऊ– वाराणसी–सुल्तानपुर रेलवे ट्रैक के बीच पड़ने वाले निहालगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पीने के पानी लिए समस्या झेलनी पड़ती थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति ईरानी के हस्तक्षेप के बाद करीब डेढ़ वर्ष पहले यहां टंकी निर्माण का काम पूरा हो गया था। मंगलवार को बिजली कनेक्शन जोड़ कर आपूर्ति चालू कर दी गई।

निजी स्कूल संचालक की हत्या

लखनऊ,(संवाददाता)। दोस्त के यहां सोमवार रात को वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए निजी स्कूल संचालक की हत्या कर शव खेत में फेंक दिया गया। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। एसपी ने फोरेंसिक टीम के साथ निरीक्षण कर घटना के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की हैं। जामो थाना क्षेत्र के जोरावरपुर मठिया गांव निवासी संजीव मिश्र (24) घर से करीब दो किमी की दूरी पर बच्चों के स्कूल का संचालन करते थे। सोमवार रात गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वह एक दोस्त की बाइक से भवनशाहपुर निवासी अनुज सिंह के यहां वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकले थे। देर रात तक संजीव जब वापस नहीं लौटे, तो परिजन परेशान हो गए। परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन पता नहीं चला। इसी बीच मंगलवार की सुबह इनके स्कूल से करीब 800 मीटर की दूरी पर खेत में संजीव का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। शव की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। इसी बीच पुलिस व परिजन भी मौके पर पहुंचे गए। परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया है। सूचना के बाद एसपी अनूप सिंह भी फोरेंसिक टीम संग मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। इसके बाद पुलिस शव को कब्जे में लेकर थाने आई। थाने पर पिता रजनीश मिश्र की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू की है। एसएचओ विनोद सिंह ने बताया कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। खेत में मृत अवस्था में पड़े मिले संजीव के गर्दन और गले पर चोट के निशान थे। नाक और कान से भी खून बहा था। उनका जैकेट व स्वेटर कुछ दूर पर पड़ा मिला। शव की हालत देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि हत्यारों की संख्या एक से अधिक रही होगी। संजीव का शव पुलिस लेकर थाने आई तो बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। भीड़ के कारण जामो–जगदीशपुर मार्ग पर जाम लग गया। पुलिस ने लोगों को हटाकर मार्ग बहाल करवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए गौरीगंज भेजने के बाद थाने के सामने से भीड़ समाप्त हुई। मृतक संजीव कुमार के पिता रजनीश मिश्र केनरा बैंक जामो में कैशियर के पद पर कार्यरत हैं। बेटे की मौत की सूचना पर रजनीश ने बिना नाम लिए एक व्यक्ति से तीन–चार दिन पहले विवाद होने की बात कही। रोते हुए वह सिर्फ एक ही बात कह रहे थे कि बेटे के हत्यारोपियों पर सख्त कार्रवाई हो। संजीव कुमार की मां रेखा बेटे का इंतजार सोमवार देर रात तक करती रहीं। काफी देर होने के बाद रेखा ने संजीव के मोबाइल पर फोन किया, लेकिन फोन बंद था। किसी अनहोनी की आशंका में रेखा ने बड़े बेटे सचिन को तलाश करने भेजा, लेकिन कुछ पता नहीं चला। मंगलवार सुबह सचिन की मौत की खबर आई। वह रोते हुए बार–बार यह कह रही थीं कि उसे रात में जाने से मना किया था, भगवान ने यह क्या कर दिया। भाई सचिन बिलख रहे हैं। इकलौती बहन शिवानी का भी रो–रोकर बुरा हाल है। पिता रजनीश मिश्र बेटे की मौत से पूरी तरह टूट गए हैं। गांव में गम का माहौल है। बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष पीड़ित परिवार को संभालने में जुटे हैं। एसपी अनूप सिंह ने बताया कि मामले के हर पहलू की जांच हो रही है। घटना के खुलासे के लिए जामो व जगदीशपुर थाने के साथ ही एसओजी व सर्विलांस टीम को लगाया गया है। जल्द ही हत्यारे को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। एहतियातन गांव में फोर्स तैनात है।

खिड़कियों के टूटे शीशों से आ रही सर्द हवा

लखनऊ,(संवाददाता)। ठंड बढ़ते ही शासन ने अस्पतालों में मरीजों के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी सीएचसी अमेठी में मरीजों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं हैं। इमरजेंसी वार्ड की खिड़कियों के टूटे शीशों से हवा पूरी रात मरीजों को परेशान करती है। ब्लोअर व अन्य इंतजाम भी सिर्फ कागजों पर ही हैं। अमेठी सीएचसी पर एक्सरे व अल्ट्रासाउंड की सुविधा होने से भेटुआ, भादर व संग्रामपुर ब्लॉक के मरीज बड़ी संख्या में इलाज कराने सीएचसी अमेठी आते हैं। यहां वार्ड में बेड आदि की सुविधाएं हैं पर अब तक ठंड से बचाव के पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। सीएचसी के इमरजेंसी वार्ड की खिड़कियों के शीशे टूटे हुए हैं। ठंड से बचाव के लिए मरीज मात्र एक कंबल के सहारे हैं। कुछ मरीज तो कंबल अपने साथ लेकर आए थे। हालांकि जब उनसे पूछा गया तो उनका कहना था कि यहां कंबल मिला तो था पर बहुत पतला है उससे ठंड नही जाएगी। इसलिए मजबूरन घर से कंबल लाए हैं। वार्ड में भर्ती हथकिला निवासी इंद्रपाल ने बताया कि ठंड के साथ बुखार है। अस्पताल से सिर्फ एक कंबल मिला है जिससे ठंड नही जा रही है। मौजूद तीमारदार ममता ने बताया कि चादर के बराबर कंबल है, इससे ठंड नही जाएगी। इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीज के तीमारदार मनोज ने बताया कि खिड़की का एक शीशा टूटा है। इससे पूरी रात हवा अंदर आती है। सर्दी से बचने के लिए खिड़की में पर्दा भी नहीं लगा है। चादर जैसे हल्के कंबल से कुछ भला भी नहीं होता। सीएचसी अधीक्षक डॉ. आलोक तिवारी ने बताया ठंड से बचाव के सभी इंतजाम अस्पताल में हैं। जरूरत पड़ने पर हीटर भी लगाए जाएंगे।

सपा भी कर सकती है कांग्रेस नेतृत्व से किनारा

लखनऊ,(संवाददाता)। इंडिया गठबंधन का नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के बाद इंडिया गठबंधन में अंतर्विरोध बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि संसद के अंदर भी सपा–कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं। सपा सदन के भीतर भी उसे भरोसे में न लेने का अंदरखाने आरोप लगा रही है। सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में असहजता पैदा हुई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। रिश्तों में खटास का ही नतीजा है कि सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी हाईकमान भी यही चाहता है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल भी कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता नहीं मानते हैं। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में शामिल सपा के एक नेता बताते हैं कि कांग्रेस गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। उसके नेता चुनाव के वक्त ही सक्रिय होते हैं जिससे जनाधार नहीं बढ़ता। ऐसे में बेहतर होगा कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। भाजपा को मात देने के लिए रणनीति के साथ जनता के बीच लगातार जुटे रहने की जरूरत है।

मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। किराना दुकानदार उमाशंकर साहू की हत्या में शामिल चार बदमाश सोमवार रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिए गए। इसमें पुलिस की तरफ से की गई फायरिंग में दो बदमाश घायल हुए। इन दोनों के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। दो अन्य बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया। पुलिस की पूछताछ में बदमाशों ने लूट के इरादे से ही किराना दुकानदार की हत्या किए जाने की बात कबूल की। डलमऊ कोतवाली पूरे राना मजरे नरसवां गांव निवासी में उमाशंकर साहू (60) पुत्र सरजू साहू की रविवार रात बदमाशों ने लूट के बाद हत्या कर दी थी। बेटे राजेश साहू के मुताबिक बदमाशों ने पांच लाख कीमत के जेवरात के साथ लगभग 70 हजार की नकदी लूटी थी। वारदात के खुलासे के लिए चार पुलिस टीमें लगाई गई थी। सोमवार रात करीब 2.30 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल बदमाश कान्हा गोशाला गंगा तराई घाट के पास छिपे हैं। एसओजी प्रभारी विजेंद्र शर्मा, सीओ डलमऊ अरुण कुमार नौहवार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम के पहुंचते ही बदमाशों ने असलहों से फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस टीम की तरफ से भी फायरिंग की गई। दोनों तरफ से करीब चार–चार राउंड फायरिंग की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के मुताबिक मुठभेड़ के दौरान रायबरेली के लालगंज कोतवाली क्षेत्र के भीरा गोविंदपुर नरपतगंज निवासी तानसेन, कानपुर देहात के अकबरपुर थाना क्षेत्र के नदीपुर गांव निवासी शंकर चौहान, रसूलाबाद थाना क्षेत्र के थाना पुरवा निवासी मुकेश कुमार और मनोज कुमार को पकड़ा गया। पुलिस की फायरिंग से तानसेन, शंकर चौहान को गोली लगी। सीएचसी के बाद दोनों को जिला अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया। बदमाशों के पास से तीन असलहे, घटना में प्रयुक्त पिकअप व 45 हजार 360 रुपये बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि बछरावां कोतवाली क्षेत्र के भवानीखेड़ा गांव निवासी राम बहादुर, सरेनी थाना क्षेत्र के रालपुर निवासी रामसजीवन उर्फ राज भी घटना में शामिल थे। यह दोनों मौके से फरार हो गए। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। जांच और बदमाशों की पूछताछ में पुष्टि हुई है कि लूट के इरादे से ही किराना दुकानदार की हत्या की गई थी। किराना दुकानदार उमाशंकर साहू की पत्नी सुशीला दो दिन पहले बेटी के गांव बेनीमाधवगंज रालपुर सरेनी गई थीं। उनका इकलौता बेटा अपने परिवार के साथ गांव में ही पुराने में मकान में रहते हैं। बदमाशों को इस बात की जानकारी हो गई थी कि उमाशंकर घर पर अकेले हैं। एसपी के मुताबिक घटना के एक दिन पहले किराना दुकानदार के घर की रेकी की गई थी। इसके बाद घर पर धावा बोला। लूट का विरोध करने पर दुकानदार की हत्या कर दी। 24 घंटे के अंदर ही किराना दुकानदार की हत्या का खुलासा होने से हर कोई आश्चर्यचकित है। पुलिस अफसरों का दावा है कि सर्विलांस के जरिए पता लगाया गया कि घटना के दौरान किन–किन लोगों के मोबाइल नंबर घटनास्थल पर एक्टिव थे। उन नंबरों की कॉल डिटेल खंगाली गई। इसके बाद पुलिस ने बदमाशों की धरपकड़ शुरू की और फिर मुखबिर की सूचना पर उन्हें दबोच लिया गया। दुकानदार के बेटे ने लाखों की लूट बताई थी। बदमाशों के पास से महज 45 हजार रुपये बरामद हुए हैं। यह किसी के गले नहीं उतर रहा है। हालांकि अफसरों का दावा है कि फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। एसपी के मुताबिक किराना दुकानदार की हत्या में शामिल बदमाश पेशेवर अपराधी हैं। यह सब अलग–अलग स्थानों पर घूम–घूमकर लूट की वारदात को अंजाम देते हैं। बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि रायबरेली के अलावा अन्य जिलों में भी लूट, हत्या जैसी घटनाओं को तो अंजाम नहीं दिया है।

जगदीशपुर के बाद अब बस्ती में महिलाओं ने सराफा व्यापारी को ठगा

लखनऊ,(संवाददाता)। नकली जेवर देकर असली सोने के जेवर की ठगी करने वाली महिलाओं ने बस्ती में भी एक सराफा व्यापारी को अपना शिकार बनाया है। बस्ती का वीडियो वायरल होने पर निहालगढ़ के व्यापारी अपने वीडियो से उसका मिलान कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि इन्हीं महिलाओं ने निहालगढ़ में ठगी की थी। फिलहाल दोनों जिले के व्यापारी व्हाट्सएप ग्रुपों में वीडियो साझा कर अन्य जिलों के व्यापारियों को आगाह कर रहे हैं। गत पांच दिसंबर को जगदीशपुर के निहालगढ़ कस्बा निवासी सतीश सोनी की दुकान पर आईं दो महिलाओं ने नकली जेवर देकर सोने के असली जेवरों की ठगी की थी। करीब दो लाख की ठगी का आरोप लगाया है। सतीश सोनी ने इसका वीडियो वायरल किया था। इस घटना की चर्चा स्थानीय व्यापारियों में खूब रही। मंगलवार को बस्ती जिले से ठगी का एक वीडियो वायरल होने लगा। ग्रुप में जुड़े जगदीशपुर के व्यापारियों का कहना है कि वीडियो में वही महिलाएं शामिल हैं, जिन्होंने निहालगढ़ में सतीश सोनी के यहां ठगी की थी। बस्ती जिले का वीडियो सात दिसंबर का बताया जा रहा है। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार यहां के बाद दोनों महिलाएं बस्ती के गांधीनगर पहुंचीं। दोनों महिलाएं चार दुकानों पर घूमने के बाद ओपी ज्वेलर्स के कुंदन वर्मा के यहां पहुंचीं। दोनों महिलाओं ने नकली जेवर देकर कुंदन वर्मा से 1.80 लाख के असली जेवर ले लिए और बचे सोने (नकली) के बदले में 15 हजार नकद लेकर फरार हो गईं। व्यापारी सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर इन महिलाओं के दुकान पर नजर आने पर एक–दूसरे को सूचित करने का आग्रह कर रहे हैं। सतीश सोनी ने बताया कि यह वीडियो उनके फोन के एक ग्रुप में आया है। अमर उजाला ऐसे किसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। उन्होंने बताया कि वह अपने मामले में शिकायती पत्र देकर थाने गए थे, लेकिन प्रभारी निरीक्षक से मुलाकात नहीं हुई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।